सेवा सौभाग्य

आर.एन.आई.नं. RAJBIL/2010/52404

शान्ताकारं भुजगशयनं पद्मनाभं सुरेशं, विश्वाधारं गगनसदृशं मेघवर्णं शुभाङ्गम् ।
लक्ष्मीकान्तं कमलनयनं योगिभिर्ध्यानगम्यं, वन्दे विष्णुं भवभयहरं सर्वलोकैकनाथम् ।।

पू. कैलाश जी 'मानव'

मूल्य ▸ 5 वर्ष ▸ 13 अंक ▸ 169 मुद्रण तारीख ▸ 1 जनवरी, 2026 कुल पृष्ठ ▸ 28

एक दिन –5000 जीवन
नर में नारायण के दर्शन

दिनांक : 21 दिसम्बर 2025, रविवार समय : प्रात: 9:00 बजे से

शिविर स्थान: खामगांव, कोटडा, उदयपुर (राजस्थान)

शिविर में लोगों को कपड़े, कंबल, खिचड़ी एवं मक्का का वितरण होगा
तथा बच्चों के नाखून व बाल काटकर उन्हें नहलाया जाएगा।
इसके साथ ही उन्हें स्वेटर, चप्पल-जूते, गरम टोपियाँ व मोजे पहनाए जाएंगे
तथा टूथपेस्ट, साबुन और कंघा के किट भी वितरित किये जाएंगे।

NARAYAN
ARTIFICIAL LIMB
मुझे चलना है,
मेरे भी सपने हैं।
कृपया कृत्रिम अंग
का सहयोग करें :-
Donate via UPI
10,000/-
narayanseva@sbi
Call For Details
91-7023509999

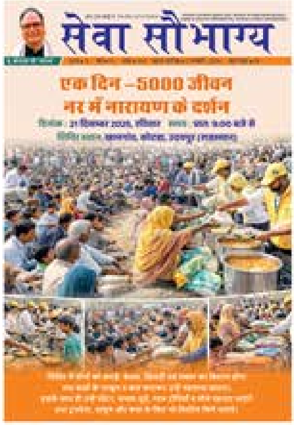

सेवा सौभाग्य

मूल्य ▸ 5 वर्ष ▸ 13
अंक ▸ 169 कुल पृष्ठ ▸ 28

मुद्रण तारीख ▸ 1 जनवरी, 2026

सम्पादक मंडल

मार्ग दर्शक ▸ कैलाश चन्द अग्रवाल
सम्पादक ▸ प्रशान्त अग्रवाल
सहयोग ▸ विष्णु शर्मा हितैषी
भगवान प्रसाद गौड़
डिजाइनर ▸ विरंन्द सिंह राठौड़

सम्पर्क (कार्यालय)

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Nar Seva Narayan Seva
Sewa Parmo Dharm
MAKE GIVING YOUR HABIT

483, 'सेवाधाम' सेवा नगर
हिरण मगरी, सेक्टर-4,
उदयपुर (राज.) 313002, भारत
फोन नं. +91-294-6622222
वाट्सएप: +91-7023509999
Web ▸ www.spdtrust.org
E-mail ▸ info@spdtrust.org

Seva Soubhagya
Print Date 1 January, 2026
Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404
Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur -313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 28 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-

CONTENTS

इस माह में

पहली बार बढ़े सुधांशु के नन्हे कदम — 06

सम्मेद शिखर सा तीर्थ है — 08

'वर्ल्ड ऑफ ह्यूमैनिटी' का उद्घाटन — 10

अन्तर्राष्ट्रीय अवार्ड समारोह-2025 — 16

बेंगलुरु में नारायण लिम्ब माप शिविर — 20

झीनी झीनी रोशनी - 80 — 23

'मानवता का संसार' हुआ साकार

सेवक प्रशान्त भैया

समाज में अशक्त, दीन–हीन और पीड़ित व्यक्तियों की सार–संभाल के लिए संपन्न, सामर्थ्यवान और संवेदनशील सेवा–मनीषियों की हमेशा पहल रही है। शास्त्र भी कहते हैं कि 'सेवा–धर्म ही महान है और दान से व्यक्ति का कल्याण ही होता है।' इसी भाव को चरितार्थ भी किया है नारायण सेवा संस्थान के सहयोगी दानदाताओं ने। संस्थान की चालीस वर्ष की सेवा यात्रा में उन्होंने लाखों दिव्यांगों को अपने पांवों पर खड़ा किया, हादसों में हाथ–पांव गंवाने वालों को अत्याधुनिक कृत्रिम अंग प्रदान कर उन्हें सामान्य जीवन जीने का अवसर दिया, दिव्यांगों और निर्धनों को संस्थान के कौशल विकास प्रशिक्षण के माध्यम से रोजगार से जोड़ा और दो हजार पांच सौ दस से अधिक जोड़ों की शादियां करवाकर उन्हें सुखद दाम्पत्य जीवन प्रदान किया। समाज के वंचित वर्ग की सेवा को और अधिक गतिमान, व्यवस्थित और नये आयाम देने के लिए संस्थान के माध्यम से 7 दिसंबर को इन दानवीर महानुभावों ने 'वर्ल्ड ऑफ ह्यूमैनिटी' (मानवता का संसार) का लोकार्पण किया। इन सभी सहृदयी दानदाता–भामाशाह, महानुभावों का हृदय से आभार । सेवा के उनके इस जज्बे के आगे संस्थान परिवार नतमस्तक है।

यह केवल एक बहुमंजिला भवन नहीं बल्कि संवेदना, समर्पण और कर्तव्य बोध की ऐसी मिसाल है, जिससे आने वाली पीढ़ियां भी सेवा पथ पर चलने के लिए अनुप्राणित होंगी। 'वर्ल्ड ऑफ ह्यूमैनिटी' का निर्माण कार्य 8 फरवरी 2020 में देशभर से पधारे संस्थान सहयोगी–दानदाताओं द्वारा शहर के बीचोबीच माली कॉलोनी में पूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी 'मानव' व गुरूमाता श्रीमती कमला देवी जी के सानिध्य में भूमि पूजन के साथ आरंभ हुआ। कुछ ही समय बाद पूरी दुनिया को कोरोना की काली छाया ने अपनी आगोश में ले लिया, लेकिन सेवा का यह संकल्प कठिनाइयों के बावजूद अनवरत जारी रहा, क्योंकि उद्देश्य केवल भवन निर्माण नहीं अपितु पीड़ितों और जरूरतमंदों के जीवन में खुशी और बदलाव लाना था। आज उन्हीं पीड़ितों की दुआ, ईश्वर की कृपा और दानदाताओं के आशीर्वाद से 2 लाख 40 हजार वर्गफीट में यह 11 मंजिला भवन 450 बेड के दिव्यांग चिकित्सालय के साथ लोकार्पित हो सका। संपूर्ण परिसर पूर्णतः वातानुकूलित तथा अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से सुसज्जित है।

नव निर्मित 'वर्ल्ड ऑफ ह्यूमैनिटी' में – दो मॉडर्न ऑपरेशन थिएटर जहाँ हड्डी, पोलियो, क्लबफुट व अन्य शल्य चिकित्सा की उन्नत तकनीकों का उपयोग होगा। अत्याधुनिक फिजियो और रिहैबिलिटेशन सेंटर, जहाँ प्रत्येक लाभार्थी को व्यक्तिगत पुनर्वास योजना प्रदान की जाएगी। कृत्रिम हाथ–पैर एवं ऑर्थोटिक उपकरणों का निर्माण केंद्र, जिससे सर्वश्रेष्ठ गुणवत्ता के उपकरण मौके पर ही तैयार और प्रदान किए जाएंगे। स्वरोजगार आधारित प्रशिक्षण केंद्र – जैसे मोबाइल रिपेयरिंग, कंप्यूटर प्रशिक्षण, फैशन डिजाइनिंग, टेलरिंग, मैकेनिकल कौशल आदि। विशेष योग्य बच्चों के लिए आवासीय विद्यालय, जहाँ शिक्षा, पोषण, उपचार और मनोवैज्ञानिक सहयोग एकीकृत रूप से उपलब्ध होगा। सबसे महत्वपूर्ण और गौरवपूर्ण तथ्य यह है कि – ये सभी सेवाएं पूर्ववत निःशुल्क रहेंगी।

संस्थान संस्थापक चेयरमैन एवं मेरे पूज्य पिताश्री गुरुदेव श्री कैलाश जी 'मानव' कहते हैं – "मैंने दिव्यांगों का संघर्ष बहुत करीब से देखा है। जब कोई इंसान चल नहीं पाता, बोल नहीं पाता या अपनी दैनिक गतिविधियाँ खुद नहीं कर पाता, तब उसकी पीड़ा केवल शारीरिक नहीं होती – उसकी आत्मा तक कराह उठती है। सेवा दया नहीं, कर्तव्य है। यहां दया की दृष्टि नहीं, बराबरी और सम्मान की दृष्टि से सेवा होती है।" उनके इन शब्दों में केवल भावना नहीं, बल्कि चार दशकों की सेवा साधना का सार है। अहर्निश सेवा को समर्पित उनकी व गुरू माता श्रीमती कमला देवी जी की तपस्या का भी प्रतिरूप है, 'वर्ल्ड ऑफ ह्यूमैनिटी'। "यह भवन मात्र चिकित्सा केंद्र नहीं, यह अवसरों का ऐसा द्वार है, जहां आने वाला हर पीड़ित व्यक्ति यह विश्वास लेकर वापस जाएगा कि वह सक्षम है, समर्थ है, और जीवन को पुनः गढ़ सकता है।" हमारा उद्देश्य है कि दिव्यांगजन समाज के भागीदार बनें, भार नहीं। दानदाताओं,निर्माण कार्य में रात – दिन एक करने वाले राज – मिस्त्रियों, तकनिशियनों और साधकों को बारम्बार प्रणाम। बधाई।

अपेक्षा बंधन, अर्पण मुक्ति

पूज्य श्री कैलाश 'मानव'

सुखी जीवन के लिए अपने में त्याग की भावना का विकास जरूरी है। न तो कोई किसी को सुख दे सकता है और न ही दुख। सभी को निज कर्मों का फल भोगना पड़ता है। मानव जीवन की श्रेष्ठता उसी में है कि दूसरों के दुख–दर्द को भी अपना ही माना जाए। जब सांसारिक रहते हुए भी हम दूसरों के कल्याण की सोचेंगे तो वही हमारे सुख और मुक्ति का मार्ग भी होगा। परोपकार ही एक मात्र रास्ता है, जो तमाम संताप से बचाते हुए जीवन को सार्थक कर मुक्ति के द्वार खोलता है। परोपकार से व्यक्ति की दृष्टि विराट हो जाती है और ऐसा होने पर प्रभु से साक्षात्कार भी सहज हो जाता है, जो अन्ततः जीव की मुक्ति का कारण बनता है। धर्म भी यही कहता है कि दूसरों के कष्ट मिटाने को सदा तत्पर रहो।

एक श्रेष्ठी एक साधु के पास पहुँचे। उन्होंने उनसे पूछा कि जीवन की मुक्ति किस प्रकार संभव है? साधु ने उनसे कहा –'सत्य को स्वीकार करके व्यक्ति मुक्ति प्राप्त कर सकता है। श्रेष्ठी ने फिर पूछा – वह कैसे हो सकता है?' साधु ने उनसे पूछा – 'आपको इस वर्ष नफा होगा या नुकसान? आप तो सधे हुए व्यापारी हैं, आसानी से बता सकते हैं। सज्जन ने कहा– 'महात्मन! ये मैं तो क्या कोई भी नहीं बता पाएगा कि भविष्य में क्या होने वाला है।' साधु ने पुनः पूछा– 'अच्छा यह तो बता ही सकते हो कि तुम्हारी मृत्यु होगी की नहीं। सज्जन हंस पड़े। उन्होंने कहा – 'यह तो हर कोई आसानी से बता सकता है कि मृत्यु अटल है।' अब साधु ने उसके मूल प्रश्न के प्रत्युत्तर में उसे समझाया कि श्रीमान! जिस बात की मनुष्य को पूरे जानकारी होती है, उस तरफ से वह सदा आँखें मूंदे रहता है और वह उन वस्तुओं की प्राप्ति के लिए पागल की तरह दौड़ रहा है, जो उसके पास सदा रहने वाली ही नहीं है। वह नहीं समझता कि संग्रहित सब कुछ छोड़कर एक दिन मृत्यु की आगोश में जाना है। व्यक्ति को अपना मरण सुधारना चाहिए। जो हो रहा है उसे सहज स्वीकार करना चाहिए। अपनी कल्पना के पूर्ण न होने का दुःख ही कष्ट कारक है। मुक्ति पथ पर उसके वही काम उसके साथ चलते हैं, जो उसने परोपकार की दृष्टि से किए हैं। अपेक्षाएं बंधन हैं और अर्पण मुक्ति का मार्ग।

बंधुओं! यदि हम एकाग्रचित्त होकर मनन करें तो पाएंगे कि तृष्णा, मोह, लोभ आदि ही हमारे दुःखों का कारण हैं। चाहे जितना भोग करें, लालसा–तृष्णा तृप्त नहीं होती। इसलिए शरीर के सुख की इच्छा त्यागकर दूसरों की पीड़ा को समझें और यथाशक्ति उन्हें राहत प्रदान करें। यही आत्मकल्याण का मार्ग है। हमें अपनी अपेक्षाएं, इच्छाएं और आवश्यकताएं नियंत्रित कर जितना संभव हो दीन–दुखियों और पीड़ितों की सेवा के लिए अर्पित करना चाहिए। यही सुख और परमानंद की प्राप्ति का अखूट स्त्रोत है।

पहली बार बढ़े सुधांशु के नन्हे कदम

बिहार के सीतामढ़ी जिले के कटैया गांव के सुधांशु कुमार (6) के दोनों पैर और हाथ के अंगूठे जन्मजात मुड़े हुए थे – जिसे चिकित्सा भाषा में क्लबफुट कहा जाता है। जिन मासूम आँखों में चलने, दौड़ने और खेलने के सपने होने चाहिए वह वेदना से पथराई थी। इस अक्षमता के कारण प्रायः आंखों से आंसू ही टपकते रहते। विकलांगता ने उसके कदमों को आगे बढ़ने और हाथों की विकृति ने खिलौना पकड़ने से भी रोक रखा था।

पिता पंकज झा अपनी खराब आर्थिक स्थिति के बावजूद बेटे के इलाज के लिए चिंतित थे, वे कर्ज लेकर भी उसे दारूण दुःख से छुटकारा दिलाना चाहते थे। लेकिन समाधान उनकी पहुंच से दूर था। गांव के बच्चे खेलते–दौड़ते, और सुधांशु उन्हें टुकर–टुकर खिड़की से देखता रहता। उसके कोमल मन में सिर्फ एक भारी सवाल था–"क्या मैं भी कभी ऐसा कर पाऊँगा?"

इन्हीं उम्मीदों के बीच एक दिन पिता को नारायण सेवा संस्थान के निःशुल्क इलाज की जानकारी सोशल मीडिया से मिली। यह जानकारी उनके लिए जैसे भगवान का ही संदेश थी। वे बिना देर किए सुधांशु को लेकर उदयपुर आए।

सुधांशु का इलाज धैर्य और संवेदनशीलता से शुरू हुआ। पिछले पाँच महीनों में उसकी कई जाँचें और दो बड़े ऑपरेशन किए गए। 4 अक्टूबर को ऑपरेशन हुआ और 12 अक्टूबर 2025 को उसे डिस्चार्ज किया गया। डॉक्टरों की मेहनत और माता–पिता की प्रार्थनाएँ रंग लाई–ऑपरेशन सफल रहा।

12 नवंबर 2025 को पुनः फॉलोअप में जब सुधांशु को विशेष जूते और कैलिपर्स पहनाए गए, वह संभलकर उठा फिर धीरे–धीरे आगे बढ़ा और आखिरकार पहली बार बिना सहारे चला।

उस पल उसके चेहरे की चमक, उसके होठो की मुस्कान और मात–पिता के चेहरे पर उभरती आंसू की बूंदे ये सब शब्दों से परे थे। आज सुधांशु सिर्फ चल ही नहीं रहा, बल्कि हर कदम के साथ विश्वास की नई हिलोर ले रहा है। वह कहता है– "अब मैं भी दौड़ूंगा – आगे बढ़ूँगा"।

पिता भावुक होकर सिर्फ इतना कहते हैं – "नारायण सेवा संस्थान सिर्फ इलाज नहीं करता, जीवन की झोली को उम्मीदों से भर देता है। मेरा परिवार हमेशा संस्थान और इसके दानदाताओं का ऋणी रहेगा।"संस्थान ने सिर्फ बेटे को ही खड़ा नहीं किया है बल्कि पूरे परिवार को निराशा से उबार दिया है।

कौशल प्रशिक्षण से नेहा बनीं आत्मनिर्भर

बिहार के वैशाली जिले की 22 वर्षीय नेहा कुमारी का एक पैर जन्म से ही अर्द्ध विकसित था। जन्मजात इस शारीरिक अक्षमता ने उनके जीवन को चुनौतीपूर्ण बना दिया। खड़ा होने व चलने–फिरने में कठिनाई के बावजूद उन्होंने खुद को कभी कमजोर नहीं पड़ने दिया। परिवार की प्रोत्साहन और अपनी लगन से उन्होंने शिक्षा तो प्राप्त की, लेकिन आत्मनिर्भरता की खोज अभी बाकी थी।

इसी दौरान उन्हें नारायण सेवा संस्थान के बारे में पता चला। संस्थान में डॉक्टरों ने उनकी स्थिति देखकर उनके अर्द्धविकसित पैर के लिए विशेष कैलिपर्स तैयार किए, जिससे अब नेहा सहज रूप से चल–फिर सकती हैं। वे बताती हैं कि संस्थान आना उनके जीवन के लिए बेहद सुखद और उत्साहजनक रहा।

संस्थान में ही उन्हें कंप्यूटर प्रशिक्षण का अवसर भी मिला, जिसमें एमएस ऑफिस, इंटरनेट, टाइपिंग और डिजिटल संचार जैसे विषय शामिल थे। इस तरह इस प्रशिक्षण से उन्होंने आत्मनिर्भरता की मंजिल को भी पा लिया।

नेहा कहती हैं, "संस्थान ने मुझे अपने पैरों पर खड़ा किया। मुझ में अपने दम पर कुछ करने का विश्वास पैदा हुआ है।" अपने भविष्य को लेकर आज वे पूरी तरह सकारात्मक हैं।

सम्मेद शिखर सा तीर्थ है
नारायण सेवा संस्थान – राष्ट्रसंत पुलक सागर जी

'वर्ल्ड ऑफ ह्यूमैनिटी' में कृत्रिम अंग निर्माण कार्यशाला का उद्‌घाटन

राष्ट्रसंत मनोज्ञाचार्य पूज्य गुरुदेव श्री पुलक सागर जी ने 14 दिसंबर को नारायण सेवा संस्थान के माली कॉलोनी स्थित नवनिर्मित 'वर्ल्ड ऑफ ह्यूमैनिटी' में दिव्यांगजन के लिए संचालित निःशुल्क सेवा प्रकल्पों का अवलोकन किया एवं एसआरजी, हाउसिंग फायनेंस लि. के श्री गेंदालाल–पुष्पादेवी तथा श्री विनोद–सीमा देवी फान्दोत परिवार के सौजन्य से निर्मित कृत्रिम अंग निर्माण कार्यशाला का उद्‌घाटन किया।
श्री पुलक सागर जी की अगवानी प्रवेश द्वार पर परंपरागत पाद–प्रक्षालन कर संस्थान के संस्थापक पूज्य कैलाश जी 'मानव', श्रीमती कमला देवीजी, अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया एवं श्रीमती वंदना जी अग्रवाल ने की। राष्ट्रसंत के साथ दिगंबर जैन समाज के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में श्रावक–श्राविकाएं भी उपस्थित रहे। एक दिव्यांग शिक्षिका जया शाह द्वारा सूखे रंगों से फर्श पर बनाए गए चित्र को देखकर पुलक सागर जी अत्यंत प्रभावित हुए तथा उन्होंने शिक्षिका को आशीर्वाद प्रदान किया। नारायण चिल्ड्रन एकेडमी के बच्चों ने स्वागत –गीत की प्रस्तुति दी।

उन्होंने मूक–बधिर एवं दृष्टिबाधित बालकों के आवासीय विद्यालय तथा उनके द्वारा निर्मित हस्तशिल्प की भी सराहना की। निःशुल्क ऑपरेशन हेतु देश के विभिन्न राज्यों से आए दिव्यांगजनों के लिए संचालित रोजगारोन्मुख प्रशिक्षणों का अवलोकन कर प्रशिक्षणार्थियों को सुखद जीवन का आशीर्वाद दिया।

इस अवसर पर उन्होंने 2008 में संस्थान आगमन की स्मृतियों को ताजा करते हुए कहा कि यदि आज मैं यहां नहीं आता, तो मेरा चातुर्मास अधूरा रह जाता। यहां जो मैंने देखा, उसे देखकर शब्द मौन हो गए। दिव्यांगजनों की पीड़ा और सेवा भाव को देखकर ऐसा प्रतीत हुआ मानो मैं सम्मेद शिखर के पावन तीर्थ में आ गया हूं। नारायण सेवा संस्थान सेवा एक ऐसा महाकुंभ है, जहां पीड़ितों और दुखियों का जीवन बदल जाता है। इसके लिए संस्थापक कैलाश 'मानव' अभिनंदनीय हैं, जिन्होंने अपना सर्वस्व समाज को समर्पित कर दिया। वे केवल मानव नहीं, बल्कि महामानव हैं। संस्थान परिवार की ओर से आचार्यश्री को अभिनंदन पत्र भी भेंट किया गया।

संस्थान संस्थापक पूज्य कैलाश जी 'मानव', अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया एवं निदेशक वंदना जी अग्रवाल ने उदयपुर चातुर्मास समिति के पदाधिकारियों तथा विशेष रूप से फान्दोत परिवार का संस्थान को कृत्रिम अंग निर्माण कार्यशाला प्रदान करने के लिए अभिनंदन किया।

इस अवसर पर संस्थान के ट्रस्टी देवेंद्र चौबीसा, मीडिया प्रभारी विष्णु शर्मा हितैषी, जनसंपर्क प्रमुख भगवान प्रसाद गौड़, महिम जैन, दिनेश वैष्णव, रोहित तिवारी एवं बंशीलाल मेघवाल भी उपस्थित रहे। संचालन प्रकाश सिंघवी ने किया।

संस्थान के कार्यक्रम के पश्चात् पुलक सागर जी ने रात्रि विश्राम सेक्टर 11 स्थित फान्दोत आवास में किया और अगली सुबह ऋषभदेव की ओर विहार किया। उदयपुर में चातुर्मास सहित पांच माह का उनका प्रवास रहा।

देश-विदेश के भामाशाहों का सानिध्य

'वर्ल्ड ऑफ ह्यूमैनिटी' का उद्घाटन

पिछले चार दशक से दिव्यांगजन की निःशुल्क चिकित्सा एवं पुनर्वास के क्षेत्र में कार्यरत देश के अग्रणी आपके अपने नारायण सेवा संस्थान के माली कॉलोनी स्थित बहुमंजिला नव परिसर 'वर्ल्ड ऑफ ह्यूमैनिटी' का उद्घाटन 7 दिसम्बर को संपन्न हुआ। इस अवसर पर देश – विदेश से संस्थान सहयोगी, भामाशाह एवं सेवा मनीषी पधारे। केन्या से कुंवर भाई, यूके से प्रकाश नदरानी, हरीश श्रीधर, यूएसए से लीना दवे, मिरत दवे, अमी दवे, प्रीति दवे, दिलीप भट्ट, तेजस दवे, तंजानिया से भरत भाई परमार, बड़ौदा से चन्द्रिका अमीन, गुड़गांव से डॉ. सुरेंद्र प्रसाद गर्ग, श्रीमती गर्ग, मुंबई से चंद्रकांत भाटिया, श्रीमती भाटिया, श्री महेश जी अग्रवाल, दिल्ली से सत्यनारायण जी गुप्ता, श्री डी.सी जोशी, श्रीमती कुसुम जी गुप्ता,संजीव जी अरोड़ा, उड़ीसा से श्री आनंद जी, श्रीमती राजराजेश्वरी जी, श्री पारस जी कटारिया, ब्यावर से श्री दीपक जी एवं अमन जी, उदयपुर से श्री सुरेंद्र सिंह जी सलुजा, श्रीमती कल्पना जी गोयल की पावन मौजूदगी रही। संस्थान संस्थापक पूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी 'मानव' सह-संस्थापिका श्रीमती कमला देवीजी, अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया, निदेशक श्रीमती वंदना जी अग्रवाल, श्री जगदीश जी आर्य, श्री देवेंद्र जी चौबीसा, सुश्री पलक जी अग्रवाल, श्री महर्षि जी अग्रवाल ने प्रातः शुभ मुहूर्त में यज्ञात्मक हवन कर विश्व में सुख – शांति की कामना की। भवन का निर्माण कार्य 8 फरवरी 2020 को आरंभ हुआ था। करीब 2 लाख 40 हजार वर्ग फीट क्षेत्र में निर्मित भवन में तीन भूतल सहित 11 मंजिल है। भवन में 450 बेड के अस्पताल, अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर, आर्टिफिशियल लिंब वर्कशॉप, फिजियोथैरेपी, आवासीय विद्यालय, कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र, भोजन शाला सहित दिव्यांगों की सेवा

के सभी आवश्यक प्रकल्प एक छत के नीचे हैं। अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया ने कहा कि 'वर्ल्ड ऑफ ह्यूमैनिटी' एक विशाल इमारत मात्र नहीं है, यह दिव्यांग एवं निर्धनजन के लिए अवसरों की उपलब्धता का प्रवेश द्वार है। उन्होंने इसके निर्माण में सहयोगी भामाशाहों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मानवता का यह संसार दिव्यांगों की चिकित्सा और पुनर्वास के साथ उनकी आर्थिक आत्मनिर्भरता को सुनिश्चित करने में अधिक गति के साथ समर्पित रहेगा। संस्थान संस्थापक परम पूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी 'मानव' ने कहा कि 1985 में आरंभ हुआ सेवा मिशन आज

समाज के सहयोग से आगे बढ़ता देख खुशी हो रही है। मैंने दिव्यांगों का जीवन संघर्ष बहुत करीब से देखा है। जब कोई इंसान चल नहीं पाता, बोल नहीं पाता या अपने दैनंदिन कार्य में हर वक्त सहारे की अपेक्षा रखता हो, तब उसे अपनी शारीरिक अक्षमता का ही अहसास नहीं होता बल्कि उसकी आत्मा भी घायल हो जाती है। मुझे विश्वास है कि मानवता का यह संसार समाज और दानवीरों के सहयोग से सदैव रोशन रहकर लोगों के दुख–दर्द निवारण में सहायक होगा। समारोह के दौरान राजस्थानी परिधान में सजी–धजी नारायण चिल्ड्रन अकेडमी की बालिकाओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। जबकि संस्थान के निःशुल्क सेवा प्रकल्पों को लेकर प्रस्तुत 'सहारा' नृत्य – नाटिका ने अतिथियों की आँखों को नम कर दिया। समारोह के दौरान 'वर्ल्ड ऑफ ह्यूमैनिटी' के प्रवेश प्रांगण में – मुंबई एवं सूरत के क्यूमेक्स ग्रुप के संस्थापक स्व. बुद्धदेव राम जी टीबरेवाल निवासी संग्रामपुर (बिहार) की पावन स्मृति में उनके सुपुत्र श्री सागर प्रसाद जी टीबरेवाल एवं पुत्रवधु श्रीमती लक्ष्मीदेवी जी टीबरेवाल ने उनकी आवक्ष प्रतिमा का अनावरण किया। जबकि गुजरात के वासो निवासी समाजसेवी स्व. श्री महेश भाई मणिभाई अमीन की प्रतिमा का अनावरण उनकी धर्मपत्नी श्रीमती चन्द्रिका जी ने किया। स्व. देवजी मावजी भाई नारदानी एवं कनबी देवजी नारदानी की प्रतिमा का कुँवरजी देवजी धर्मपत्नी श्रीमती मान बाई नारदानी, पुत्र प्रकाश जी

एवं परिवार ने अनावरण किया।अतिथियों का आगमन दो–तीन दिन पहले से ही आरम्भ हो गया। उद्घाटन से पूर्व 6 दिसंबर की प्रातः सेवामहातीर्थ परिसर में उन्हें निदेशक श्रीमती वंदना जी एवं सुश्री पलक जी ने कृत्रिम अंग एवं कैलिपर निर्माण कार्यशाला, ऑपरेशन थियेटर, प्राकृतिक चिकित्सालय इलिज़ारोव चिकित्सा पद्धति, सिलाई, मोबाईल एवं कम्प्यूटर प्रशिक्षण केंद्रों का अवलोकन कराया। अतिथियों ने वार्डो में जाकर चिकित्साधीन दिव्यांगों से भेंट कर उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। उन्होंने नारायण चिल्ड्रन अकेडमी में गरीब बच्चों को दी जा रही निःशुल्क डिजिटल शिक्षा की सराहना की। इसके पश्चात् सुरेश गहलोत व मीना चौहान के निर्देशन में भव्य भजन समागम में भाग लिया। संयोजन महिम जैन ने किया। इससे पूर्व 27 नवंबर को इस भवन का वास्तु पूजन जनजाति विकास मंत्री श्री बाबूलाल जी खराड़ी, राज्यसभा सदस्य श्री चुन्नीलाल जी गरासिया, विधायक श्री ताराचंद जी जैन, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री शांतिलाल जी चपलोत, पूर्व विधायक श्रीमती प्रीति जी शक्तावत, श्री सत्यनारायण अग्रवाल व परिवार के सानिध्य में 101 कन्याओं के महापूजन के साथ संपन्न हुआ। सभी ने एक स्वर से कहा कि उदयपुर अन्य विशेषताओं के साथ दुनिया में दिव्यांगों की चिकित्सा, सेवा एवं पुनर्वास के क्षेत्र में भी विख्यात हो गया है।

ऑपरेशन थियेटर

अत्याधुनिक वार्ड

मूक-बधिर, प्रज्ञा चक्षु बच्चों की कौशल विकास कक्षा

हॉल में स्वागत को आतुर एनसीए की बच्चियां

अन्तर्राष्ट्रीय अवार्ड समारोह–2025

अभिनेता सोनू सूद ने किया सेवा मनीषियों को सम्मानित

नारायण सेवा संस्थान का 'अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग सशक्तिकरण अवॉर्ड समारोह' 29 नवंबर को नई दिल्ली स्थित श्री सत्य साई ऑडिटोरियम, प्रगति विहार में सम्पन्न हुआ। दुर्घटनाओं में अंगहीन हुए दिव्यांगों को कृत्रिम हाथ–पैर लगाने में बहुमूल्य योगदान देने वाले दानी सज्जनों को सिने जगत के मशहूर अभिनेता एवं प्रसिद्ध समाजसेवी श्री सोनू सूद ने अवार्ड और प्रमाण पत्र भेंट कर सम्मानित किया।

संस्थान निदेशक श्रीमती वंदना जी अग्रवाल और सुश्री पलक जी अग्रवाल ने सूद एवं दानी सज्जनों का स्वागत करते हुए संस्थान के निःशुल्क सेवा प्रकल्पों से अवगत करवाया एवं आगामी पंचवर्षीय सेवा विजन प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि सोनू सूद ने सम्मानित दानदाताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज के परिवेश में मानवता के लिए आप सबका आगे आकर योगदान देना अनुकरणीय है। यह समाज के लिए प्रेरणादायी सिद्ध होगा। इस अवसर पर सोनू सूद का मेवाड़ी परम्परा से अभिनन्दन किया गया। संयोजन श्री महिम जैन ने और आभार ज्ञापन ट्रस्टी निदेशक श्री देवेंद्र जी चौबीसा ने किया। इस अवसर पर डिजिटल मीडिया हेड श्री रजत जी गौड़ व श्री महर्षि जी अग्रवाल भी मौजूद रहे।

GOD'S AMBASSADOR

CEREMONY

बेंगलुरु में विशाल नारायण लिम्ब माप शिविर

703 दिव्यांगजनों की सहभागिता, 600 अंगहीनों का कृत्रिम अंग हेतु माप

संस्थान द्वारा बेंगलुरु में 14 दिसंबर को नारायण लिम्ब माप शिविर सम्पन्न हुआ। शिविर में कुल 703 दिव्यांग एवं अंगहीन रोगियों ने सहभागिता की।

शिविर के दौरान 600 अंगहीन रोगियों का नि:शुल्क कृत्रिम अंग (नारायण लिम्ब) हेतु माप लिया गया, जबकि 25 दिव्यांगजनों के केलिपर्स की माप प्रक्रिया पूर्ण की गई। अन्य रोगियों को प्राथमिक जांच कर परामर्श दिया गया।

मुख्य अतिथि जनरल मोटर्स के डायरेक्टर श्री जयराम शिवकुमार जी थे। अध्यक्षता जनरल मोटर्स सी.एस.आर. हेड श्री संदीप जी ने की। विशिष्ट अतिथियों में सर्वश्री रमेश जयराम, ज्योत्सना सेठी, मालिका टाटावती, विनोद जैन, भाग्य अशोक सहित समाजसेवी बाबूलाल रांका, केसीराम जैन, त्रिलोक राम एवं चेला राम चौधरी मंचासीन रहे।

संस्थान निदेशक सुश्री पलक अग्रवाल एवं बेंगलुरु शाखा अध्यक्ष श्री विनोद जैन ने अतिथियों का सम्मान किया। संस्थान निदेशिका ने बताया कि जिन दिव्यांगजनों के माप लिए गए हैं, उन्हें आगामी शिविर में नि:शुल्क कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण प्रदान किए जाएंगे।

सर्दी से राहत

सहायता शिविर

अब तक
2,82,136
कम्बल वितरण

अब तक
2,45,591
स्वेटर वितरण

कृपया इस मुहिम में सहभागी बनें।

दिव्यांग बच्चों संग एनसीए ने मनाया

बाल दिवस

नारायण चिल्ड्रन एकेडमी के छात्र – छात्राओं ने भारत के प्रथम प्रधानमंत्री एवं बच्चों के प्रिय चाचा पं. जवाहर लाल नेहरू का जन्म दिवस 14 नवंबर को दिव्यांग बच्चों के साथ खेलकूद और उत्साह से मनाया। एकेडमी ने बच्चों में आनंद, संवेदना और सकारात्मकता जगाने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। शिक्षकों ने पंडित जवाहरलाल नेहरू के जीवन एवं बाल दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। समारोह में एकेडमी के बच्चे पुलिस, वकील, सैनिक और चिकित्सक आदि के पहनावे में पहुंचे। संस्थान निदेशक श्रीमती वंदना जी अग्रवाल ने कहा कि "बच्चे देश के भविष्य का आधार हैं। उन्हें संवेदनशील और श्रेष्ठ नागरिक बनाने में संस्थान हर संभव प्रयास करेगा।

समारोह में बच्चों ने गीत, कविताएँ, सुविचार, और अंताक्षरी जैसे मनोरंजक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इसके बाद छात्र–छात्राएं रंग–बिरंगे मुखौटे पहनकर संस्थान में ऑपरेशन के बाद स्वास्थ्य लाभ ले रहे दिव्यांग बच्चों के वार्ड में पहुँचे। वहाँ उन्होंने नृत्य, हास्य–अभिनय और अपनी कलात्मक छवि से बच्चों का खूब मनोरंजन किया। संयोजन प्राचार्य श्रीमती अर्चना गोलवलकर ने किया।

झीनी-झीनी रोशनी-80

कैलाश जी के प्रश्न करते ही रोगी भाव विह्वल हो गया और उसकी आंखों से आंसू टपक पड़े। कैलाश जी सकपका गए कि उन्होंने ऐसा क्या कह दिया जिससे रोगी इतना आहत हो गया। वो कुछ कहें इसके पहले ही रोगी भर्राई आवाज में बोल पड़ा, मेरा बेटा और भाई बाहर बैठे हैं, हमारे पास जहर तक खाने के पैसे नहीं हैं, ये दो रोटियां उन्हीं के लिए रख ली हैं। एक मैंने खा ली और एक–एक दोनों काका–भतीजा भी खा लेंगे। तीन दिन से मैं यही कर रहा हूं। भूख तो बहुत लगती है, रात को नींद भी नहीं आती पर क्या करें यहां तो खाना निर्धारित मात्रा में ही मिलता है उसी से काम चला रहे हैं। अब बारी कैलाश जी की आंखों में आंसू आने की थी। रोगी की बातों से उसका हृदय ऐसा विदीर्ण हुआ जैसे किसी ने कटार चला दी हो। वेदना से आहत कैलाश जी किंकर्तव्यविमूढ से रोगी को अपलक देख रहे थे तभी – उसने अपनी जेब से मुड़ा तुड़ा कागज का एक पर्चा निकाल कर उनके सामने किया, बोला डा. साहब ने ये दवाईयां लिख कर दी हैं मगर लाऊं कहां से। कैलाश जी ने उसे सांत्वना दी कि वह कुछ करेंगे फिर उसे कटोरी में रखी दोनों रोटी खा लेने को कहा। उन्होंने रोगी से पर्चा लिया और भाई व बेटे की जानकारी ले वह बाहर आए ।

दोनों का पता कर वह उन्हें अस्पताल के सामने ही एक होटल में ले गए और उन्हें खाना खिलाया, फिर पर्ची लेकर दवाईयां खरीदी और वापस रोगी को देकर आए । जब उन्होंने बताया कि उसके भाई–भतीजे को खाना खिला दिया है तो वह हाथ जोड़ कर रोने लगा। कैलाश जी ने उसे दिलासा दिया और वचन दिया कि वह उन सबकी पूरी देखभाल करेंगे।

एक मुट्ठी आटा

कैलाश जी को उस रात नींद नहीं आई। बार–बार उनके समक्ष उस गरीब रोगी का कातर चेहरा उपस्थित हो रहा था। वह सोच रहे थे कि ऐसे न जाने कितने लोग होंगे, वह किस–किस की मदद करेंगे । करे भी तो ज्यादा से ज्यादा 4–5 लोगों की, इससे ज्यादा तो उनकी भी हैसियत नहीं थी। विचार आते रहे, जाते रहे, अगले दिन दशहरा था, यज्ञ का आयोजन था, विचार श्रृंखला इस तरफ मुड़ी तो कब उनकी आंख लग गई पता ही नहीं चला।

यज्ञ सेक्टर 5 में ही था। कैलाश जी व साथियों ने मिल कर गायत्री चरणपीठ की स्थापना कर ली थी। यज्ञादि इसी के तहत आयोजित करते थे। उस दिन सड़क किनारे ही यज्ञ का आयोजन रखा ताकि अधिकाधिक लोग उसमें भाग ले सकें। कैलाश जी यज्ञ करा रहे थे मगर उस दरिद्र रोगी के ख्याल ही उनके मन मस्तिष्क को घेरे थे। यज्ञ समाप्त हो गया, देव–दक्षिणा का समय आया तो कैलाश जी ने विनती की कि दरिद्र नारायण की सेवा में आप सबसे एक मुट्ठी आटा दक्षिणा में चाहते हैं।

भारत में संचालित संस्थान की शाखाएं

राजस्थान

पाली
श्री कानिलाल मूथा,
मो. 07014349307
31, गुलजार चौक, पाली मारवाड़

भीलवाड़ा
श्री शिव नारायण अग्रवाल
मो. 09829769960
C/o नीलकण्ठ पेपर स्टोर, L.N.T. रोड़, भीलवाड़ा-311001

बहरोड़
डॉ. अरविन्द गोस्वामी
मो. 09887488363
'गोस्वामी सदन' पुराने हॉस्पीटल के सामने बहरोड़, अलवर (राज.)
श्री भुवनेश रोहिल्ला, मो. 8952859514, लेडिज फैशन पोईन्ट, न्यू बस स्टैण्ड के सामने यादव धर्मशाला के पास, बहरोड़, अलवर

अलवर
श्री आर.एस. वर्मा
मो. 07300227428
के.वी. पब्लिक स्कूल, 35 लादिया, बाग अलवर

जयपुर
श्री नन्द किशोर बत्रा,
मो. 09828242497
5-C, उन्नति एन्क्लेव, शिवपुरी, कालवाड़ रोड़, झोटवाड़ा, जयपुर 302012

अजमेर
श्री सत्य नारायण कुमावत,
मो. 09166190962
कुमावत कॉलोनी, आर्य समाज के पीछे, मदनगंज, किशनगढ़, अजमेर

बूंदी
श्री गिरधर गोपाल गुप्ता,
मो. 09829960811,
ए. 14, 'गिरधर-धाम', न्यू मानसरोवर कॉलोनी, चित्तौड़ रोड़, बून्दी

झारखण्ड

हजारीबाग
श्री डूंगरमल जैन
मो.-09113733141
C/o पारस फूड्स, अखण्ड ज्योति ज्ञान केन्द्र, मेन रोड़ सदर थाना गली, हजारीबाग

रामगढ़
श्री जोगिन्दर सिंह जग्गी
मो. 7992262641
44ए, छोटकी मुरीम, नजदीक उषा इन्सीटयूट राजीव सिनेमा रोड़, बिजुलिया, रामगढ़

धनबाद
श्री गोपाल कुमार खेडिया,
मो. 09608529923,
आजाद नगर भूलीनगर

मध्य प्रदेश

रतलाम
श्री चन्द्र पाल गुप्ता
मो. 09752492233,
मकान नं. 344, काटजूनगर, रतलाम

जबलपुर
श्री आर. के. तिवारी,
मो. 09926660739
मकान नं. 133, गली नं. 2, रामदड़िया ग्रीन सिटी, माढ़ोताल, जिला - जबलपुर

भोपाल
श्री विष्णु शरण सक्सेना
मो. 09425050136
ए-3/302, विष्णु हाईटेक सिटी, अहमदपुर रेल्वे क्रोसिंग के सामने, बावड़िया कलाँ, होशंगाबाद रोड जिला - भोपाल

बखतगढ़
श्री सुरेन्द्र सिंह सोलंकी,
मो. 06989609714, बखतगढ़, त.-बदनावर, जि.-धार

महाराष्ट्र

आकोला
श्री हरिश जी,
मो. 09422939767
आकोट मोटर स्टेण्ड, आकोला

परभणी
श्रीमती मंजु दरड़ा
मो. 09422876343

नांदेड़
श्री विनोद लिंबा राठोड़,
मो. 07719966739
जय भवानी पेट्रोलियम, मु. पो. सारखानी, किनवट, जिला - नांदेड़

पाचोरा
श्री सीताराम जी
मो. 09422775375

मुम्बई
श्रीमती रानी दुलानी
मो. 028847991, 9029643708,
10-बीच्वी, वाईसराय पार्क, ठाकुर विलेज कान्दीवली, मुम्बई

भायंदर
श्री कमलचंद लोढ़ा,
मो. 8080083655 ए/103, 'देव आंगन' जैन मन्दिर रोड़ बावन जिनालय मन्दिर के पास, भायंदर (पश्चिम) ठाणे-401101

हिमाचल प्रदेश

हमीरपुर
श्री ज्ञानचन्द शर्मा,
मो. 09418419030
गाँव व पोस्ट-बिघरी, त. बदसर जिला हमीरपुर - 176040

श्री रसील सिंह मनकोटिया मो. 09418061161, जामलीधाम, पोस्ट-रोपा, जिला-हमीरपुर-177001

हरियाणा

कैथल
डॉ. विवेक गर्ग
मो. 9996990807
गर्ग मनोरोग एवं दांतो का हस्पताल के अन्दर पद्मा मॉल के सामने करनाल रोड़, कैथल

श्री सतपाल मंगला
मो. 09812003662
3 68-ए, नई अनाज मंडी, कैथल

जुलाना मण्डी
श्री मनोज जिन्दल
मो. 9813707878
108 अनाज मण्डी, जुलाना, जींद

पलवल
श्री वीर सिंह चौहान
मो. 09991500251
विला नं. 228, ओमेक्स सिटी, सेक्टर-14, पलवल

फरीदाबाद
श्री नवल किशोर गुप्ता
मो. 09873722657
कश्मीर स्टेशनरी स्टोर, दुकान नं. 1डी/12, एन.आई.टी., फरीदाबाद, हरियाणा

करनाल
डॉ. सतीश शर्मा
मो. 09416121278
ओपीपी. गली नंबर 19, गोविंद डेयरी मेन रोड करण विहार नियर मेरठ रोड करनाल 132001

अम्बाला
श्री मुकुट बिहारी कपूर
मो. 08929930548
मकान नं.- 3791, ओल्ड सब्जी मण्डी, अम्बाला केन्ट-133001

नरवाना
श्री राजेन्द्र पाल गर्ग
मो. 09728941014 165-हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, नरवाना, जीन्द

गोवा

गोवा
श्री अमृत लाल दोषी,
मो. 07798917888
'दोषी निवास' जैन मन्दिर के पास, पजीफोन्ड, मडगांव गोवा-403601

गुजरात

अहमदाबाद
श्री योगेन्द्र प्रताप राघव,
मो. 09274595349
म.नं.रू बी-77, गोल्डन बंग्लो, नाना चिलोड़ा, अहमदाबाद

उत्तर प्रदेश

बरेली
श्री कुंवरपाल सिंह पुंढीर
मो. 9458681074
विकास पब्लिक स्कूल के पीछे, स्वरूप नगर (चहवाई) जिला-बरेली
श्री विजय नारायण शुक्ला मो. 7060909449,
मकान नं.22/10, सी.बी.गंज, लेबर इण्डस्टीयल कॉलोनी बरेली

हाथरस
श्री दास बृजेन्द्र,
मो.-09720890047
दीनकुटी सत्संग भवन, सादाबाद

हापुड़
श्री मनोज कंसल
मो.-09927001112,
डिलाइट टैन्ट हाऊस, कबाड़ी बाजार, हापुड़

गजरौला, अमरोहा
श्री अजय एवं श्रीमती आरती शर्मा
मो.-08791269705 बांके बिहारी सदन, कालरा स्टेट, गजरौला, अमरोहा-244235

छत्तीसगढ़

दीपका, कोरबा
श्री सूरजमल अग्रवाल
मो. 09425536801

श्री देवनाथ साहू,
मो. 09229429407
गांव- बेला कछार, मु.पो. बालको नगर, जिला-कोरबा

बिलासपुर
डॉ. योगेश गुप्ता,
मो.-09827954009
श्रीमन्दिर के पास, रिंग रोड़ नं. 2, शान्ति नगर, बिलासपुर

बालोद
श्री बाबूलाल संजयकुमार जैन
मो. 9425525000
रामदेव चौक बालोद जिला-बालोद

जम्मू/कश्मीर

जम्मू
श्री जगदीश राज गुप्ता,
मो. 09419200395
गुरू आशीर्वाद कुटीर, 52-सी अपर शिव शक्ति नगर जम्मु-180001

दिल्ली

शाहदरा
श्री विशाल अरोड़ा
मो. 08447154011
श्रीमान रविशंकर जी अरोड़ा
मो.0 9810774473
मैसर्स शालीमार ड्राइक्लीनर्स प्ट्स1461 गली नं. 2 शालीमार पार्क, D.C.B. ऑफिस के पास, शाहदरा

नारायण दिव्यांग सहायता केन्द्र

महाराष्ट्र

मुम्बई
मो. 09529920090,07073452174
09529920088
शिवे सृष्टि सीएचएस लिमिटेड, बिल्डिंग नं. 4–बी, फ्लैट नंबर 608, बॉम्बे डाईंग महादा बोइवाड़ा, नयागांव, दादर (पूर्व) मुंबई (महाराष्ट्र) पिनकोड 400014

पूणे
मो. 09529920093
17 / 153 मेन रोड, गणेश सुपर मार्केट गोखले नगर, पूणे–16

दिल्ली

रोहिणी
मो. 08588835718
08588835719, बी–4 / 67, सेक्टर–8, रोहिणी, दिल्ली, पिन कोड 110085

जनकपुरी, नई दिल्ली
07023101167, 07412060406
सी2 / 267, 4 फ्लोर, जनकपुरी, नई दिल्ली–110058

विकासपुरी, नई दिल्ली
मो. 09257017592
मकान नं. 342 ब्लॉक–सी, मद्रासी मन्दिर के पास विकासपुरी 110018

हरियाणा

गुरूग्राम
मो. 08306004802,
हाउस नं.–1936 जीए, गली नं.–10, राजीव नगर ईस्ट, माता रोड, सी. आर.पी.एफ. केम्प चौक, गुरुग्राम – 122001

हिसार
मो. 9257017593, मकान न. 2249, सेक्टर–14, हिसार 125005

(कर्नाटक)

बेंगलुरू
मो. 09341200200,
नारायण सेवा संस्थान 40 (12) प्रथम फ्लोर, मॉडल हाउस कॉलोनी, अपोजिट समना पार्क, एनआर कॉलोनी, बसवानगुडी, बेंगलुरु–560004

बिहार

पटना
मो. 09257110805
मकान नं.–23, किताब भवन रोड नॉर्थ एस.के. पुरी, पटना–13

उत्तर प्रदेश

मेरठ
मो. 09257110802
38, श्री राम पैलेस, दिल्ली रोड, नियर सब्जी मंडी, माधव पुरम, मेरठ

लखनऊ
मो. 09351230395
फ्लेट नम्बर 202, गुरुकृपा अपार्टमेंट न्यू श्रीनगर आलमबाग लखनऊ 226005 (उ.प्र.)

पंजाब

लुधियाना
मो. 07023101153
311 / 312, बी–17, गुलाटी डांस क्लास के पास, भारत नगर, लुधियाना 141001

चण्डीगढ़
मो. 07073452176
मकान नंबर 3468 ग्राउंड फ्लोर, सेक्टर – 46–सी, चंडीगढ़–160047

वेस्ट बंगाल

कोलकाता
09529920097, मकान नंबर–580, स्वामी सारणी म्वाला, बागान, कालांदी, कोलकाता (पश्चिम बंगाल) पिनकोड 700048

गुजरात

सूरत
मो. 09529920082
27, सम्राट टाऊनशिप, सम्राट स्कूल के पास, परवत पाटीया, सूरत

वडोदरा
मो. 09529920081
म. नं.रू 1298, वैकुंठ समाज, श्री अम्बे स्कूल के पास, वाघोड़िया रोड, बडोदरा –390019

अहमदाबाद
मो. 09529920080, 08306008208
07 / ए, कपिलकुंज सोसायटी, विजय नगर के सामने, मेट्रो स्टेशन, नारायणपुरा, अहमदाबाद (गुजरात) पिनकोड 380013

राजस्थान

जोधपुर
मो. 08306004821
जूनी बागर, महामन्दिर जोधपुर (राज) 342001

कोटा
मो. 07023101172
नारायण सेवा संस्थान, मकान नं. 2–बी–5 तलवंडी, कोटा (राज.) 324005

नारायण नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर

उत्तर प्रदेश

हाथरस
मो. 07023101169
एलआईसी बिल्डिंग के नीचे, अलीगढ़ रोड, हाथरस

मथुरा
मो. 07023101163
मकान नं. 212/63, राधानगर, भारत पेट्रोलियम अधिकारी आवास बिल्डिंग, मथुरा (उ.प्र.)

अलीगढ़
मो. 07023101169
एम.आई.जी. –48 विकास नगर, आगरा रोड, अलीगढ़

दानवीर भामाशाह

स्व. श्रीमती मुन्नी देवी धर्मपत्नी श्री राम गोपाल यादव टोंक (राजस्थान)

उत्तर प्रदेश

गाजियाबाद
मो. 07073474435
श्रीमती शीला जैन निःशुल्क फिजियोथेरपी सेंटर, बी.–350 न्यू पंचवटी कॉलोनी, गाजियाबाद – 201009

लोनी
मो. 9257110802
श्रीमती कृष्णा मेमोरियल निःशुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर, 72 शिव विहार, लोनी बन्थला, चिरोड़ी रोड (मोक्षधाम मन्दिर) के पास लोनी, गाजियाबाद

आगरा
मो. 07023101174
मकान नंबर ई–52, किडजी स्कूल के पास, कमला नगर, आगरा (उत्तर प्रदेश) पिन कोड रू 282005

छत्तीसगढ़

रायपुर
मो. 07869916950, 08306004806
मीरा जी राव, म.नं.–29 / 500 टीवी टावर रोड, गली नं.–2, फेस–2 श्रीरामनगर, पो.–शंकरनगर रायपुर, (छ.ग.)

गुजरात

राजकोट
मो. 09529920083
बी–33, शिव शक्ति कोलोनी, जेटको टावर के सामने, यूनिवर्सिटी रोड, राजकोट 360005

उत्तराखण्ड

देहरादून
मो. 07023101175
साई लोक कॉलोनी, गांव कारबरी ग्रांट, शिमला बाय पास रोड, देहरादून 248007

दिल्ली

फतेहपुरी
मो. 08588835711, 07073452155
6473 कटरा बरियान, अम्बर होटल के पास, फतेहपुरी, दिल्ली–6

शाहदरा
मो. 07073474435, बी–85, ज्योति कोलोनी, दुर्गापुरी चौक, शाहदरा

मध्य प्रदेश

इन्दौर
मो. 09529920087
43, चन्द्रलोक कॉलोनी खजराना रोड, इंदौर–452018

हरियाणा

अम्बाला
मो. 07023101160
सविता शर्मा, 669, हाऊसिंग बोर्ड कोलोनी अरबन स्टेट के पास, सेक्टर–7 अम्बाला

कैथल
मो. 08696002432
फ्रेंड कॉलोनी, गली नम्बर 3 करनाल रोड, हनुमान वाटिका के पास कैथल (हरियाणा)

राजस्थान

जयपुर
मो. 09928027946, 09257110807
बद्रीनारायण वैद फिजियोथेरेपी हॉस्पीटल एण्ड रिचर्स सेन्टर बी–50–51 सनराईज सिटी, मोक्ष मार्ग, निवारू झोटवाड़ा, जयपुर

तेलंगाना

हैदराबाद
मो. 09573938038
लीलावती भवन, 4–7–122 / 123 इसामिया बाजार, कोठी, संतोषी माता मंदिर के पास, हैदराबाद –500027

अपने परिचितों, परिजनों अथवा स्वयं के जन्मोत्सव, वैवाहिक वर्षगांठ के साथ पुण्यात्माओं की पुण्यतिथि को बनाएं यादगार...

जन्मजात पोलियोग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000 रू.	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000 रू.
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000 रू.	13 ऑपरेशन के लिए	52,500 रू.
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000 रू.	5 ऑपरेशन के लिए	21,000 रू.
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000 रू.	3 ऑपरेशन के लिए	13,000 रू.
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000 रू.	1 ऑपरेशन के लिए	5,000 रू.

दो जून की रोटी के लिए बेबस निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

आजीवन भोजनध्नाश्ता सहयोग मित्ति (वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग एवं निर्धनों के लिए सहयोग हेतु मदद)	
नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37,000 रू.
दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30,000 रू.
एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15,000 रू.
नाश्ता सहयोग राशि	7,000 रू.

दुर्घटनाग्रस्त अंगविहीन एवं दिव्यांगों को दें कृत्रिम अंग का उपहार

वस्तु	एक नग सहयोग	तीन नग सहयोग	पांच नग सहयोग	ग्यारह नग सहयोग
कृत्रिम अंग (हाथ-पैर)	10,000 रू.	30,0000 रू.	50,0000 रू.	1,10,000 रू.
तिपहिया साईकिल	5,000 रू.	15,000 रू.	25,000 रू.	55,000 रू.
व्हील चेयर	4,000 रू.	12,000 रू.	20,000 रू.	44,000 रू.
कैलिपर	2,000 रू.	6,000 रू.	10,000 रू.	22,000 रू.
वैशाखी	500 रू.	1,500 रू.	2,500 रू.	5,500 रू.

आशा की नई उड़ान रखने वाले दिव्यांगजनों को बनाएं आत्मनिर्भर

मोबाइल/कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रशिक्षण सौजन्य राशि	
1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 7,500 रू.	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 22,500 रू.
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 37,500 रू.	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 75,000 रू.
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 1,50,000 रू.	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 2,25,000 रू.

नारायण चिल्ड्रन एकेडमी के बच्चों के सपनों को करें साकार

1 एक बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	11,000/-
5 बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	55,000/-
20 बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	2,20,000/-

Bank Name : State Bank of India
Account Name : Narayan Seva Sansthan
Account Number : 31505501196
IFSC Code : SBIN0011406
Branch : Hiran Magri, Sector No.4, Udaipur-313001

Donate via UPI

Google Pay PhonePe Paytm

narayanseva@sbi

अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान के नाम से संस्थान के खाते में जमा करवाकर हमें सूचित करें

जीवन की लय को ठीक करे 'प्राकृतिक चिकित्सालय'

बार–बार जुकाम, थकान, बेचैनी और नींद की कमी अब सिर्फ मौसम नहीं, बल्कि शरीर की थमी हुई प्रतिरक्षा का संकेत माना जाता है। लगातार दवा–निर्भरता, स्क्रीन–ओवरलोड और अनियमित जीवनशैली ने हमारी प्राकृतिक हीलिंग क्षमता को कमजोर कर दिया है। ऐसे में बड़े शहरों से लेकर छोटे कस्बों तक के लोग फिर से नेचुरोपैथी (प्राकृतिक चिकित्सा) की और लौट रहे हैं। आपके अपने नारायण सेवा संस्थान द्वारा संचालित नारायण–महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय जीवन की लय को बरकरार रखने में सक्रिय है। जटिलतम रोगों से अनेक महानुभाव यहाँ से राहत पाकर अपने घरों में सुकून की जिंदगी जी रहे हैं। असल में आज सबसे बड़ी बीमारी है डिसकनेक्शन यानी प्रकृति, शरीर और मन से अलगाव। नैचुरोपैथी इस टूटे रिश्ते को जोड़ने की चिकित्सा है। इसमें औषधियों के बजाय जीवनशैली, आहार, सूर्य, जल, मिट्टी और श्वास की शक्ति को सक्रिय किया जाता है। जटिलतम रोग से ग्रस्त महानुभाव एक बार जरूर पधारें। आने से पूर्व संपर्क करें। यहाँ आपको रोग से राहत मिलेगी। संतोष पूर्वक जीवन जी सकेंगे। क्योंकि यहाँ इलाज नहीं, लाइफस्टाइल इंजीनियरिंग होती हैं, जिसका निर्वाह करती है, प्रकृति स्वयं चिकित्सक बनकर। हर व्यक्ति के लिए थर्मल बैलेंस, डाइजेस्टिव पैटर्न, तनाव स्तर को देखकर आहार सुनिश्चित किया जाता है।

प्राकृतिक उपचार से राहत

संतोष गोयल - रमेश गोयल

हैदराबाद निवासी संतोष गोयल बीपी, फैट और शरीर के छोटे–मोटे दर्द से परेशान थीं। प्राकृतिक चिकित्सालय में उपचार के बाद ये सभी समस्याएं पूरी तरह समाप्त हो गईं। उनके पति रमेश गोयल को भी शुगर और कमर दर्द की समस्या थी। यहां उपचार लेने के बाद उनकी शुगर 131 तक नियंत्रित हो गई और कमर का दर्द बिल्कुल खत्म हो गया। अब वे बिना किसी दवा के स्वस्थ महसूस करते हैं। गोयल दंपत्ति का कहना है कि – "यहाँ का शांत और स्नेहपूर्ण वातावरण मन को सुकून देता है। नैचुरोपैथी से जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है।"

नारायण महावीर
प्राकृतिक चिकित्सालय

Call For Details
91-7023509999

सुकून भरी सर्दी

40 हजार से अधिक

पुरूष एवं महिलाओं को बांटने का लक्ष्य

एक सहयोग आपका भी हो...

सहायता सामग्री	सहयोग राशि	सहायता सामग्री	सहयोग राशि
2000 कम्बल	5,00,000 रू.	500 स्लीपर पुरूषों के	50,000 रू.
100 बोरी मक्का	3,00,000 रू.	3000 लोगो के लिए गट्टा खिचड़ी	45,000 रू.
1000 बच्चों की ड्रेस	2,00,000 रू.	100 जोड़ी जुते	20,000 रू.
500 बच्चियों की ड्रेस	1,00,000 रू.	100 बच्चो के अन्डर गारमेन्ट	10,000 रू.
500 धोती	75,000 रू.	1500 टुथपेस्ट, साबुन, कंघा किट	7,500 रू.
500 लुगड़े	75,000 रू.	100 सर्दी के टोपे एवं मोजे	10,000 रू.

Donate via UPI

narayanseva@sbi

Seva Soubhagya Print Date 1 January, 2026 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur -313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages-28 (No. of copies printed 1,50,000) cost-Rs.5/-